दलित दूल्हे की पुलिस पहरे में बिन्दोली निकाली

मांडलगढ, (निसं)। मांडलगढ़ उपखण्ड के देवलिया गांव में रविवार की शाम पुलिस के पहरे में एक दलित दूल्हे की बिन्दोली निकाली गई। गांव में वर्षों से चली आ रही सामन्ती प्रथा को टूटा हुआ देख आसपास के गांवों में चर्चा का माहौल बन गया।

बीगोद थाना क्षेत्र के देवलिया गांव में वर्षों से सामन्ती प्रथा चली आ रही है कि किसी भी दलित परिवार में दूल्हा

- 8वीं तक पढ़े-लिखे दलित दूल्हा नारायण लाल बलाई ने बीगोद पुलिस थाने में शिकायत कर पुलिस सुरक्षा की मांगी थी
- बिन्दोली में दूल्हा के परिवार की महिलाएं नाचती-गाती शादी में नजर आई

मांडलगढ़ के देवलिया गांव में पुलिस पहरे में दलित दूल्हे की घाड़ी पर बिन्दोली निकाली गई।

घोड़ी पर बैठ कर बिन्दोली नहीं निकाल सकता। अगर कोई बिन्दोली निकालने की हिम्मत जुटाता है तो सवर्ण जाति के लोग बिन्दोली नहीं निकालने देते।

इस मामले को लेकर 8वीं तक पढ़े-लिखे एक दलित दूल्हा नारायण लाल बलाई ने घोड़ी पर चढ़कर अपनी बरात ले जाने की चाहत में बीगोद पुलिस थाने में शिकायत कर पुलिस सुरक्षा की मांग की।

बीगोद थानाधिकारी ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए प्रशासन के उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। भीलवाड़ा जिला मुख्यालय से रविवार को पुलिस का अतिरिक्त जाब्ता देवलिया गांव में दूल्हे के घर पहुंचा। इस दौरान मांडलगढ तहसीलदार नारायण लाल शर्मा, गिरदावर राजेश टेलर, पुलिस उप अधीक्षक ज्ञानेंद्र सिंह, सीआई सुरेश चौधरी, एसएचओ ठाकराराम की मौजूदगी में दलित दूल्हे की बिन्दोली निकालने की हसरत पूरी की गई।

बिन्दोली में दलित दूल्हा के परिवार की महिलाएं नाचती-गाती शादी में दुगुनी खुशी का इजहार करती नजर आई। दूल्हा नारायण लाल बलाई की बारात चित्तौड़गढ़ जिले के मंडावरी गांव में जाएगी। वहीं देवलिया गांव में वर्षों से चली आ रही दलित की शादी में प्रतिबंधित बिन्दोली को पुलिस सुरक्षा में निकलते देख आसपास के गांवों में चर्चा का माहौल बन गया। दलित दूल्हा नारायण ने बताया कि दलितों की शादी में बिन्दोली निकालने के मामले में गांव के ही कुछ मनुवादी तत्वों को बर्दाश्त नहीं हैं।

लूट के मामले में चार गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। फाइनेंस कंपनी कर्मचारी से लूट के मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। मामला करीब एक पखवाड़े पहले गांव दो पीएस के पास फाइनेंस कंपनी कर्मचारी से लूट का है। अब खुलासा हुआ है कि लूटने वाला कोई और नहीं कर्मचारी को रुपए जमा करवाने वाली एक महिला का पति ही है।

फाइनेंस कंपनी कर्मचारी लंबे समय से ग्रामीण इलाके में रुपए लेने आ रहा था। वह गांव की कई महिलाओं के ग्रुप से जुड़ा हुआ था। ये महिलाएं उसे डिपोजिट देती और फाइनेंस कंपनी कर्मचारी उसे अपनी कंपनी में जमा करवा देता। इस बात की जानकारी एक गांव के महिलाओं के ग्रुप में शामिल एक महिला के पति को थी। भारत फाइनेंस कंपनी का कर्मचारी जयपुर जिले के जोबनेर थाने के बेनिया का बास निवासी कृष्णा आसीवाल गांव-गांव घूमकर फाइनेंस कंपनी के लिए इन्वेस्टमेंट इकट्ठा करता था। वह गांवों में महिलाओं के ग्रुपों से थोड़े-थोड़े रुपए जमा करता। इसी संबंध में उसका गांव तीन पीएस में बिंदरसिंह के घर आना जाना था। बिंदरसिंह की पत्नी उसे हर माह रुपए जमा करवाती थी। बिंदरसिंह को इस बात की जानकारी थी कि फाइनेंस कर्मचारी कृष्णा के पास लौटते समय बड़ी राशि बैग में होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए उसने लूट का प्लान बनाया। उसने अपने साथ पदमपुर के वार्ड सत्रह निवासी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी (हैरी) पुत्र रामसिंह, पदमपुर के वार्ड नौ निवासी बलवीरसिंह उर्फ बीरू पुत्र छिंद्रपालसिंह और गांव 14 पीएस 'ए' निवासी हरजिंद्रसिंह उर्फ काकासिंह पुत्र जीतसिंह को मिलाया।

नाकाबंदी में 3 पिकअप से 16 भैंसें छुड़वाई, चालक हिरासत में

डूंगरपुर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध कारोबारियों के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देशों के तहत जिला विशेष टीम ने रविवार अल सुबह कोतवाली थाना क्षेत्र के साबेला बाईपास मार्ग पर तीन पिकअपों में भरकर ले जा रही भैंसों को मुक्त कराया तथा इस मामले में वाहन जब्त कर तीन आरोपियों को हिरासत में लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डीएसटी टीम को मिली सूचना के आधार पर टीम ने साबेला बाईपास पर नाकाबंदी की तथा उस मार्ग से गुजर रही

- पिकअप में ठूंस-ठूंस कर भरी थी भैंसें
- डीएसटी टीम ने साबेला बाईपास पर नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई की

जिला विशेष टीम ने कोतवाली थाना क्षेत्र के साबेला बाईपास मार्ग पर तीन पिकअपों से भैंसों को मुक्त कराया।

3 पिकअपों की जब तलाशी ली गई तो उसमें भैंसों को ठूंस ठूंसकर भरा गया था, जो कि कत्ल खाने ले जाने का अंदेशा था। जिस पर पुलिस ने तीनों पिकअपों के चालक से परिवहन संबंधी दस्तावेजों को मांगा तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। तीनों पिकअपों में 16 भैंसें भरी हुई थी। पुलिस मामले में वाहनों को आरोपियों सहित थाने ले गयी। पुलिस ने इस मामले में पिकअप चालक गोपाल पुत्र दुर्गा बंजारा निवासी डबोक उदयपुर, बादल पुत्र उदा बंजारा निवासी डबोक व नरेश पुत्र प्रताप बंजारा निवासी कांकरोली उदयपुर को गिरफ्तार कर लिया है।

अपहरण का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने नाबालिग के लापता होने पर मामला दर्ज किया। प्रताप नगर निवासी पीड़ित ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 12 फरवरी सेवेर मेरी नाबालिग पुत्री बिना बताए घर से चली गई। अनुसंधान में पता चला कि परिजनों की डाट से परेशान नाबालिग बस में बैठ कर भीलवाड़ा चली गई।

डीडवाना पालिका का एक और कारनामा सामने आया

डीडवाना, (निसं)। टेंडरों में कथित धांधली और अनियमितता के आरोप के चलते विवादों में रहने वाली डीडवाना नगर पालिका का एक और कारनामा सामने आया है।

- ग्राम पंचायत क्षेत्र में जारी किया दीवार बनाने का टेंडर

इस बार फिर नगर पालिका ने अपने अधिकार क्षेत्र के बाहर जाकर ग्राम पंचायत क्षेत्र में टेंडर जारी कर दिया है। जानकारी के अनुसार डीडवाना नगर पालिका ने निकटवर्ती ग्राम इंडोलाव की ढाणी में मिट्टी की सुरक्षा दीवार बनाने के लिए लगभग 5 लाख रुपये का टेंडर जारी किया है। जबकि नियमानुसार नगर पालिका निकाय क्षेत्र की परिधि में ही टेंडर जारी कर सकती है। गांव के ग्राम सेवक पूर्णसिंह के अनुसार ग्राम पंचायत क्षेत्र में नगर पालिका द्वारा ना कोई कार्य किया जा सकता है ना ही टेंडर निकाला जा सकता है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी नगरपालिका पर टेंडरों में अनियमितताओं के आरोप लग चुके हैं। पहले भी नगरपालिका ने सार्वजनिक निर्माण विभाग ओर रेलवे के कार्यक्षेत्र में सडक बनाने के टेंडर जारी कर दिए थे। बाद में खुलासे के बाद नगरपालिका को टेंडर रद्द करने पड़े थे।

भीलवाड़ा में 68 पॉजिटिव मिले

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले में बीते 24 घंटे में की गई 844 लोगों की जांच में 68 लोग कोरोना संक्रमित पाये गये। इनमें सबसे ज्यादा 12 केस सुवाणा में मिले हैं।

आरआरटी टीम प्रभारी डॉक्टर घनश्याम चावला ने बताया कि 844 लोगों की सैंपलिंग के बाद आरटीपीसीआर जांच की गई। इस जांच में 68 लोग संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 12 केस सुवाणा, 11 रायपुर, 9 आर्सीद और 8 केस काशीपुरी में मिले हैं। बनेड़ा में 2, बापूनगर, चपरासी कॉलोनी जहाजपुर, सांगानेर में 3-3, सुभाषनगर 4, शास्त्रीनगर, शाहपुरा, पुर व चंद्रशेखर आजाद नगर में एक-एक, गंगापुर 5 केस मिले हैं।

ट्यूशन गई बालिका की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, बाजार बंद हुए

कोटा, (निसं)। जिले के रामपुरा कोतवाली थाना इलाके में एक 14 वर्षीय बालिका की संदिग्ध दशा में मौत हो गई। बालिका घर से ट्यूशन पढ़ने के लिए गई थी। बालिका समय से घर नहीं

- बालिका को पढ़ाने वाला टीचर गौरव जैन मौके से फरार, पूरे मामले में ट्यूशन टीचर पर ही शक जताया जा रहा है
- बालिका समय से घर नहीं पहुंची तो परेशान परिजन ट्यूशन टीचर के घर पहुंचे जहां बालिका जमीन पर पड़ी मिली
- बालिका फ्लोर पर पड़ी थी और उसके हाथ-पांव रस्सी से बंधे थे, उसके गले में भी फंदा था

कोटा में बालिका की हत्या के मामले में समाजसेवी अमित धारीवाल कोतवाली थाने पहुंचे।

पहुंची तो परेशान परिजन ट्यूशन टीचर के घर पहुंचे जहां बालिका जमीन पर पड़ी मिली।

बालिका फ्लोर पर पड़ी थी और उसके हाथ-पांव भी रस्सी से बंधे थे। परिजनों के मुताबिक उसकी सांसें चल रही थी। ऐसे में परिजन उसे अस्पताल लेकर गए जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों ने हत्या का शक जताया है। रामपुरा कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार 14 वर्षीय बालिका अपने परिजनों के साथ बजाज खाना में रहती थी। रविवार को वह ट्यूशन पढ़ने के लिए गई थी लेकिन समय से घर नहीं पहुंची। ऐसे में परिजन जहां पर ट्यूशन पढ़ती थी वहां पर उसे तलाशने गए तो बालिका जमीन पर पड़ी मिली। उसके गले में रस्सी का फंदा था। परिजनों के मुताबिक उसकी सांसें चल रही थी। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। परिजनों का कहना है कि जहां ट्यूशन जाती है वहीं उसकी रस्सी से गला दबाकर हत्या की गई है।

सीआई हंसराज मीणा का यह भी कहना है कि मामला संदिग्ध है। परिजन जिस तरह की भी रिपोर्ट देंगे उसके अनुसार ही कार्रवाई की जाएगी। मृत बालिका का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। बालिका कक्षा 9 की पढ़ाई कर रही थी आज वह खुद ही ट्यूशन पढ़ने के लिए गई थी। उसको पढ़ाने वाला टीचर गौरव जैन मौके से फरार है। इस पूरे मामले में ट्यूशन टीचर पर ही शक जताया जा रहा है। साथ ही ट्यूशन टीचर के अन्य परिजन भी शादी समारोह में घर से बाहर गए हुए है। पुलिस का कहना है कि बालिका के परिजन उसको तलाशने के लिए ट्यूशन टीचर के घर गए तो बाहर से ताला लगा हुआ था लेकिन उसकी चप्पलें बाहर ही खुली हुई थी। ऐसे में उन्हें शक हुआ। परिजन ताला तोड़कर अंदर गए तो बालिका के हाथ-पैर रस्सी से बंधे हुए थे। घटना से कोटा शहर के बाजार में भी आक्रोश फैल गया। आक्रोशित व्यापारियों और पदाधिकारियों ने रामपुरा कोतवाली पर हंगामा शुरू कर दिया और विरोध-प्रदर्शन किया। पूरे बाजार को बंद करवा दिया गया। बजाज खाना और रामपुरा के कई बाजार इस घटना के बाद बंद हो गए। घटना के बाद रामपुरा कोतवाली इलाके में भारी जाप्ता तैनात कर दिया गया। इस पूरे मामले की मॉनिटरिंग भी कोटा शहर एसपी केसर सिंह शेखावत कर रहे हैं। केसर सिंह शेखावत और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश मील भी अस्पताल की मोर्चरी पर पहुंचे।

वहीं रामपुरा कोतवाली क्षेत्र में नाबालिग छात्रा की हत्या की सूचना मिलते ही कांग्रेस नेता अमित धारीवाल रामपुरा कोतवाली पहुंचे जहां उन्होंने वारदात पर दुख जताते हुए पीड़ित परिवार को संवेदना व्यक्त की और पुलिस अधिकारियों से आरोपी को 24 घंटे में गिरफ्तार कर सख्त सजा दिलवाने की बात कही।

सूने मकानों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाली गैंग का पर्दाफाश

बांसवाड़ा, (निसं)। बांसवाड़ा पुलिस ने सूने मकानों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना ने शहर में चोर, नकबजनो की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही के निर्देश दिये। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कानसिंह भाटी एवं वृत्ताधिकारी सुर्यवीरसिंह राठौड निर्देशन में थानाधिकारी रतन सिंह के नेतृत्व में एसआई कांतिलाल, एएसआई सरदार सिंह, कल्याण सिंह, विवेकभान सिंह व रघुवीर सिंह, कांस्टेबल शंकरलाल, जगमपाल सिंह, सतीश कुमार, पूंजीलाल, सुखराम, इन्द्रजीत सिंह, दिग्पाल सिंह, पृथ्वीपाल सिंह, पवन, दिग्पाल सिंह की टीम गठित कर शहर में हुई चोरियो की घटना करने वाले बदमाशनो की तलाश प्रारम्भ की गई। इस टीम ने मुखबीर की सूचना एवं तकनीकी अनुसंधान करते हुए प्रकरण की घटना कारित करने वाले गिरोह के संदिग्ध व्यक्ति विजयपाल उर्फ पप्पु डिण्डोर निवासी लिमथान एवं सहदेव मईडा निवासी पिपलवा को पकड कर पूछताछ की तो दोनों आरोपियों ने अपने साथी गैंग के साथ शहर में त्रिपुरा कॉलोनी, श्री राम कॉलोनी, हुसैनी चौक, केशव वाटिका खांदू कॉलोनी के पास, त्रिपुरा कॉलोनी आकाशवाणी एवं इन्द्रा कॉलोनी में चोरी की वारदातें कारित करना स्वीकार किया। जिला पुलिस अधीक्षक मीना ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सहदेव के खिलाफ पुर्व में वर्ष 2016 में एक प्रकरण, वर्ष 2018 में दो प्रकरण तथा वर्ष 2020 में एक प्रकरण कुल चार प्रकरण चोरी नकबजनी के कोतवाली थाने पर दर्ज होकर चालान पेश होकर न्यायालय में विचाराधीन है। अभियुक्तगण को न्यायालय में पेश कर तीन दिन का पीसी रिमाण्ड प्राप्त कर गहन पूछताछ एवं अनुसंधान जारी है। उन्होंने बताया कि अभियुक्तों से शहर की अन्य चोरी, नकबजनी की वारदातों के खुलासे की भी संभावना है।

बांसवाड़ा पुलिस ने सूने मकानों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- आरोपियों को न्यायालय में पेश कर तीन दिन का पीसी रिमाण्ड लिया
- अभियुक्तों से अन्य वारदातों के खुलासे की भी संभावना

जिम संचालिका आत्महत्या मामले में कोर्ट का बाबू गिरफ्तार

रायसिंहनगर, (निसं)। जिम संचालिका कोमल को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने के आरोप में एसीजेएम कोर्ट में कार्यरत लिपिक पुरुषोत्तम कुमार को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी मूल रूप से श्रीगंगानगर के केदार चौक का निवासी है। शहर के एक जिम की ट्रेनर व संचालिका ने तीन माह पहले संदिग्ध हालात में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी। इस मामले में मृतका के मायका पक्ष के लोग उसके पति व ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगा रहे थे।

- मोबाइल से मिले आत्महत्या दुष्प्रेरण के महत्वपूर्ण सबूत
- मृतका एक बच्चे की मां है, बच्चा पिता के साथ ही रहता है और पति के साथ विवाद चल रहा था

मृतका के भाई सुधीर कुमार ने कोमल के पति दीपक शर्मा व ससुराल पक्ष के विरुद्ध उसे दहेज के लिए प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज करवाया था। एसपी आनंद शर्मा ने बताया कि आरोपी पुरुषोत्तम कुमार को आईपीसी 306 के तहत गिरफ्तार किया है। उसे न्यायालय में पेश कर पूछताछ के लिए तीन दिन का रिमांड लिया है। पुलिस उपाधीक्षक अनु बिश्नोई इस मामले की जांच कर रही हैं। जांच में मृतका का मोबाइल खंगालने पर चौंकाने वाले बात सामने आई है।

मृतका से हुई चैटिंग व अन्य साक्ष्यों से खुलासा हुआ कि न्यायालय का बाबू पुरुषोत्तम कुमार कुछ समय से कोमल के संपर्क में था। इसी दौरान कुछ ऐसे तथ्य भी सामने आए जिससे पुलिस को बाबू पर संदेह हुआ। पुलिस ने मोबाइल पर चैटिंग आदि की गहराई से छानबीन की तो पता चला कि कोमल ने बाबू की हरकतों पुरुषोत्तम कुमार से परेशान होकर खुदकुशी कर ली।

पुलिस ने आरोपी के तकनीकी साक्ष्य जुटाने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार जिम संचालिका कोमल ने 13 नवंबर 2021 की रात को अपने जिम में ही फांसी का फंदा लगाकर संदेहास्पद हालात में आत्महत्या कर ली थी। घटना के समय वह जिम में अकेली ही थी। मिली जानकारी के अनुसार कोमल की शादी करीब 15 साल पहले हुई थी। मृतका एक बच्चे की मां है। बच्चा पिता के साथ ही रहता है। कोमल का पति के साथ विवाद चल रहा था। जिसके चलते वह करीब 5 साल से पति से अलग अपनी मां के साथ गोशाला ब्लॉक में रहती थी। इसी दौरान वह कोर्ट में कार्यरत बाबू पुरुषोत्तम कुमार के संपर्क में आई। धीरे-धीरे दोनों में नजदीकियां बढ़ गई। दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत व चैटिंग भी होती रही है।

राजसमंद में 71 संक्रमित मिले

राजसमंद, (निसं)। राजसमंद में कोरोना संक्रमण की दर रफ्तार दिन ब दिन कम होती दिखाई दे रही है। गत दिनों के मुकाबले पिछले चार दिनों से कोरोना संक्रमितों की संख्या में कमी आई है। मरीजों की संख्या में कमी आने के साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या में भी कमी आई है।

गत दिनों जिले में एक्टिव मरीजों की संख्या एक हजार से भी उपर थी जो कि अब घटकर मात्र सात सौ से साठ सौ के मध्य है। लेकिन संक्रमितों के मिलने का सिलसिला अब भी जारी है। रविवार को जिले में 71 नये कोरोना संक्रमित मिले। लेकिन रिपोर्ट में अब भी बच्चों के भी पॉजिटिव आने का सिलसिला भी जारी है। रविवार में 71 में से 18 वर्ष से कम उम्र के 27 बच्चे संक्रमित है। सीएमएचओ डॉ. पीसी शर्मा के अनुसार रविवार को जिले से कुल 151 लोगों के सैम्पल लिए गए जिसमें से 39 की आरएटी जांच की गई तथा 112 के सैम्पल आरटीपीसीआर जांच के लिए भेजे गए। वहीं प्राप्त रिपोर्ट में 71 नये संक्रमित मिले। इनमें खमनोर ब्लॉक में 9 मरीज, केलवाडा ब्लॉक में 10 मरीज, देवगढ़ ब्लॉक में 5 मरीज, भीम ब्लॉक में 25 मरीज, रेलमगरा ब्लॉक में 13 मरीज, नाथद्वार शहरी ब्लॉक में 9 मरीज मिले।

जिले में अब कुल 662 एक्टिव मामले है। कोरोना की पहली लहर से लेकर अब तक जिले भर से कुल 2 लाख 51 हजार 416 लोगों के सेम्पल लिए गए है। इसमें से 22669 मरीज कोरोना संक्रमित पाए गए।

वैर की ऐतिहासिक प्रताप नहर अपना अस्तित्व बचाने के लिए कर रही है संघर्ष

वैर, (निसं)। प्रताप नहर जो कभी कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों के पानी के संकट को दूर करने के लिए बनाई गई थी। प्रशासन की अनदेखी व स्थानीय वाशिंदों की उदासीनता के चलते अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। रियासत कालीन 250 वर्ष प्राचीन ये नहर प्रतापकिला की सुरक्षा के लिए बनाई गई थी, जो अब अतिक्रमण का शिकार हो गई है। समय के अंतराल ने इसे मिट्टी से भर दिया है।

इस नहर से अतिक्रमण को हटाने व इसकी खुदाई करने की मांग स्थानीय लोग लंबे अरसे से करते चले आ रहे हैं। इस बीच भाजपा व कांग्रेस के मीनी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई और समस्या आज तक जस की तस बनी हुई है। दुखद बात यह है कि क्षेत्र के निवासी जगन्नाथ पहाड़िया मुख्यमंत्री जैसे सर्वोच्च पद पर रह चुके हैं परंतु वह भी इस समस्या का समाधान नहीं करा सके। भारतीय जनता पार्टी की तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया इस नहर की दुर्दशा का अवलोकन स्वयं कर चुकी है, भैरों सिंह शेखावत भी अपने मुख्यमंत्री काल में नहर की दुर्दशा को देख चुके हैं।

वर्तमान कैबिनेट मंत्री भजन लाल जाटव भी इसी क्षेत्र के निवासी हैं तथा इससे पहले कांग्रेस के विधायक रह चुके हैं लेकिन किसी ने भी अभी तक इस समस्या का कोई समाधान नहीं किया है। ये नहर कभी पेयजल का मुख्य स्त्रोत रही थी जिसे किले की सुरक्षा के लिए किले के चारों तरफ खसरा नंबर 2314 में बनवाया गया था। इस नहर को बनाने में लगभग 22 बीघा भूमि काम में आई जो गैर मुमकिन नहर के रूप में राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। इस नहर का निर्माण राजा ने बड़ी तकनीकी व दूर दृष्टि के साथ कराया था। इसका पानी पेयजल के लिए ही नहीं बल्कि सिंचाई के काम में भी आता था। इसमें पानी की व्यवस्था इस तरह की गई थी कि हमेशा इसमें पहाड़ों से पानी बरसात में अपने आप ही आता था। पानी के मुख्य स्त्रोत के लिए अरावली पर्वतमाला के पास सीता बांध बनाया गया। जिसमें पानी भरने के पश्चात सीधा पानी इसी नहर में आता था।

नहर का पानी ओवरफ्लो होने के पश्चात इसके पानी का निकास इस तरह किया गया था कि बिना कस्बे के बाशिंदों को नुकसान पहुंचाए कुम्हेर गेट के पास नाले में होकर मुहारी बांध, लालपुर बांध में होते हुए बाणगंगा नदी में पहुंच जाता था। इस पानी से मुहारी, ऊनापुर, जीवद, लालपुर, गोविंदपुरा, जटवलांई, भोपर नावर आदि के गांव के किसान अपने खेतों की सिंचाई करते थे। लेकिन प्रशासन की अनदेखी व नेताओं की उदासीनता के कारण लोगों ने सीता बांध से आने वाली नहर के मुख्य रास्ते में अतिक्रमण कर लिया तथा पानी बहाव की भूमि को अपने खेतों में मिला लिया और पानी के बहाव का मुख्य रास्ता अवरुद्ध कर दिया जिससे नहर में पानी आना बंद हो गया और नहर सूखी रहने लगी इस स्थिति का फायदा आक्रमणकारियों ने उठाया जिन्होंने नहर की भूमि में ही मकान, शौचालय, बनाकर अतिक्रमण कर लिया।

वैर की ऐतिहासिक प्रताप नहर कचरा पात्र बन गई है।

- 250 वर्ष प्राचीन ये नहर प्रताप किला की सुरक्षा के लिए बनाई गई थी, जो अब अतिक्रमण का शिकार हो गई है
- प्रशासन की अनदेखी व स्थानीय वाशिंदों की उदासीनता के चलते अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है नहर
- तीन मुख्यमंत्री भी इस नहर की दशा को सुधार नहीं सके